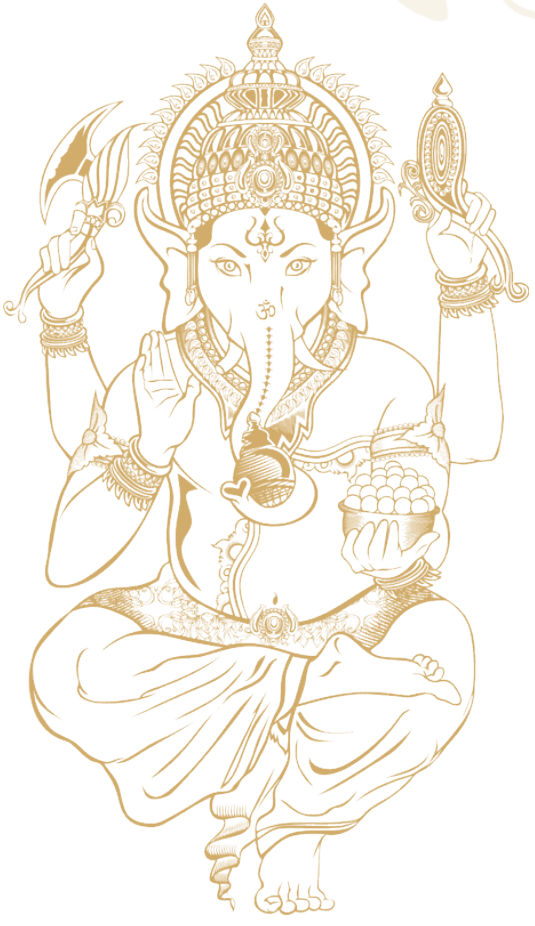

# Piyush Jain

# Vaishali Jain

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121141203

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 14/03/1998 | जन्म तिथि | 06/02/1998 |
| शनिवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 07:35:00 | जन्म समय | 10:52:00 घंटे |
| घटी 05:29:32 | जन्म समय(घटी) | 12:20:24 घटी |
| India | देश | India |
| Dum Duma | स्थान | Jaipur |
| 27:33:00 उत्तर | अक्षांश | 26:53:00 उत्तर |
| 95:33:00 पूर्व | रेखांश | 75:50:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:52:12 | स्थानिक संस्कार | -00:26:40 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:23:11 | सूर्योदय | 07:09:48 |
| 17:15:25 | सूर्यास्त | 18:11:58 |
| 23:49:49 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:49:46 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 0वर्ष 4मा 11दि | 14:27:46 | मेष | लग्न | मेष | 06:47:16 | चन्द्र 0वर्ष 11मा 16दि |
| राहु | 29:27:35 | कुंभ | सूर्य | मक | 23:23:06 | गुरु |
| 26/07/2015 | 09:11:14 | कन्या | चंद्र | वृष | 22:03:01 | 24/01/2024 |
| 25/07/2033 | 13:26:13 | मीन | मंगल | कुंभ | 15:29:32 | 24/01/2040 |
| राहु 07/04/2018 | 16:04:35 | मीन | बुध | मक | 11:52:46 | गुरु 13/03/2026 |
| गुरु 30/08/2020 | 15:11:21 | कुंभ | गुरु | कुंभ | 06:35:28 | शनि 23/09/2028 |
| शनि 07/07/2023 | 13:47:49 | मक | शुक्र | धनु | 24:38:25 | बुध 30/12/2030 |
| बुध 24/01/2026 | 25:45:04 | मीन | शनि | मीन | 22:02:14 | केतु 06/12/2031 |
| केतु 11/02/2027 | 16:44:16 | सिंह व | राहु व | सिंह | 16:56:13 | शुक्र 06/08/2034 |
| शुक्र 11/02/2030 | 16:44:16 | कुंभ व | केतु व | कुंभ | 16:56:13 | सूर्य 25/05/2035 |
| सूर्य 06/01/2031 | 17:17:20 | मक | हर्ष | मक | 15:21:52 | चन्द्र 23/09/2036 |
| चन्द्र 07/07/2032 | 07:37:42 | मक | नेप | मक | 06:28:20 | मंगल 30/08/2037 |
| मंगल 25/07/2033 | 14:13:50 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 13:55:12 | राहु 24/01/2040 |

**लग्न-चलित**

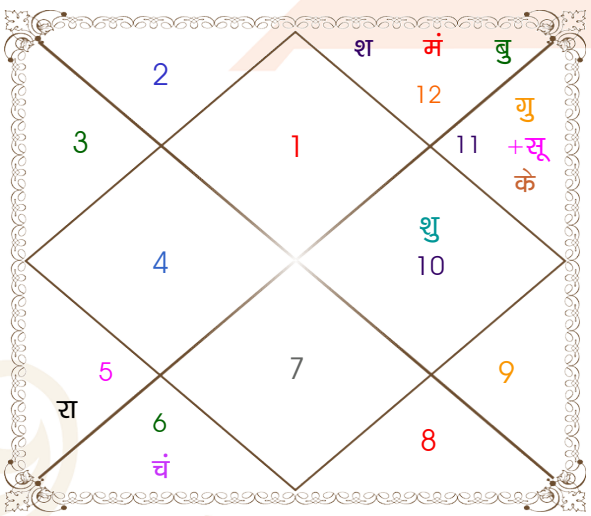


**लग्न-चलित**

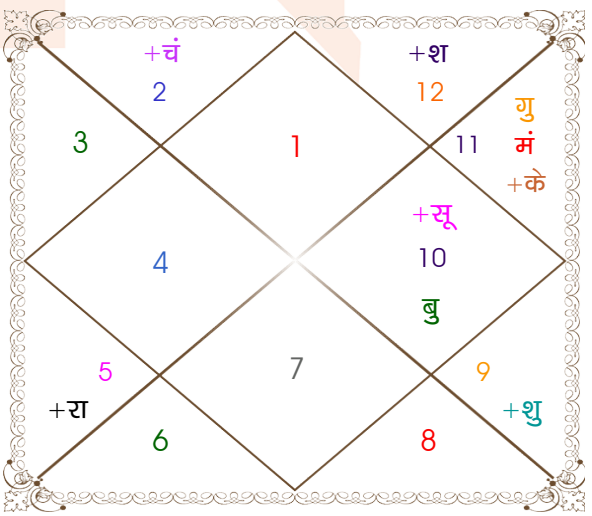

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | अतिमित्र | सम्पत | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | गौ | सर्प | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | बुध | शुक्र | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | कन्या | वृष | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | अन्त्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 25.00 | | |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Piyush Jain का वर्ग मूषक है तथा Vaishali Jain का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Piyush Jain और Vaishali Jain का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Piyush Jain मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Vaishali Jain मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**
**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Vaishali Jain कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Vaishali Jain कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Piyush Jain तथा Vaishali Jain में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।